लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1366

25 जुलाई, 2016 को उत्तर के लिए

इस्पात संयंत्रों की स्थापना

1366. श्री कोथा प्रभाकर रेड्डी:

श्री सुनील कुमार सिंह:

श्री दुष्यंत चौटाला:

क्या **इस्पात** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में सरकारी तथा निजी क्षेत्र के इस्पात संयंत्रों की संयंत्र-वार विद्यमान इस्पात उत्पादन क्षमता कितनी है;

(ख) क्या माननीय प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति द्वारा वर्ष 2025 तक इस्पात उत्पादन क्षमता को बढ़ाकर 300 एमटी तक करने के लिए कार्ययोजना आरंभ की गई थी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस पर क्या अनुवर्ती कार्रवाई की गई है;

(ग) क्या सरकार का विचार देश के विभिन्न भागों में सरकारी क्षेत्र के नए इस्पात संयंत्रों की स्थापना करने का है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इन प्रस्तावित/निर्माणाधीन संयंत्रों की स्थान-वार तथा संयंत्र-वार उत्पादन क्षमता कितनी है?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री (श्री विष्णु देव साय)

(क): देश में विभिन्न सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के इस्पात संयंत्रों की विद्यमान इस्पात उत्पादन क्षमता के संबंध में वर्ष 2015-16 के संयंत्रवार ब्यौरे नीचे दिये गये है

क्र.सं.	उत्पादक	क्षमता (हजार टन)
	सार्वजनिक क्षेत्र	
1.	भिलाई इस्पात संयंत्र	3925
2.	दुर्गापुर इस्पात संयंत्र	1802
3.	राउरकेला इस्पात संयंत्र	4400
4.	बोकारो इस्पात संयंत्र	4360
5.	इस्को इस्पात संयंत्र	2500
6.	अलॉय इस्पात संयंत्र	234
7.	सेलम इस्पात संयंत्र	180
8.	विश्वैश्वरैया लौह एवं इस्पात संयंत्र	118

योग (सेल)		17519
	राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड	6300
योग (सार्वजनिक क्षेत्र)		23819
	निजी क्षेत्र	
1.	टाटा स्टील लिमिटेड	9600
2.	एस्सार स्टील लिमिटेड	10000
3.	जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड	16600
4	जेएसपीएल	4000
5	अन्य	54182
योग : (निजी क्षेत्र)		94382
सकल योग:		118201
स्रोत: संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी)		

(ख): वर्ष 2025-26 तक 300 मीट्रिक टन वार्षिक इस्पात उत्पादन क्षमता प्राप्त करने के लिए विनिर्माण संबंधी उच्च स्तरीय समिति (एचएलसीएम) की दिनांक 9 जुलाई 2013 को आयोजित बैठक में लिये गये निर्णय के आधार पर स्पेशल पर्पज व्हीकल (एसपीवी) की एक अवधारणा विकसित की गई थी। एसपीवी रूट के जरिये केन्द्रीय और राज्य पीएसयू के सहयोग से एकीकृत इस्पात संयंत्रों की स्थापना हेतु खनिज पदार्थ से समृद्ध चार राज्यों नामश: छत्तीसगढ़, ओडिशा, कर्नाटक और झारखण्ड को अभिज्ञात किया गया है। छत्तीसगढ़ राज्य में स्टील एसपीवी की स्थापना हेतु दिनांक 09.5.2015 को और झारखण्ड में स्थापना हेतु दिनांक 28.6.2015 को एमओयू हस्ताक्षरित किये गये है।

(ग) और (घ): एनएमडीसी लि० छत्तीसगढ़ के जगदलपुर जिले के नागरनार में 3.0 मीट्रिक टन प्रति वर्ष क्षमता वाले एक एकीकृत इस्पात संयंत्र की स्थापना में प्रक्रियारत है। संयंत्र की स्थापना 15525 करोड रूपये के निवेश से की जा रही है और यह वर्तमान में निर्माण चरण में है।

***